K–104

Total Page No. : 3] **[Roll No. .....**

BASL-102

B.A. Ist Year Examination Dec., 2023

नीतिकाव्य, व्याकरण एवं अनुवाद

Time : 2 Hours] [**Max. Marks :** 70

नोट :- यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। **परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।**

(खण्ड–क)

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) 2×19=38

नोट :- खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. आचार्य भर्तृहरि के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए, उनके नीति साहित्य को दिये योगदान का वर्णन कीजिये।

2. हितोपदेश के आधार पर सुवर्णकंकणधारी बूढ़ा बाघ एवं यात्री की कहानी को प्रस्तुत कीजिये।

3. निम्नलिखित श्लोकों की व्याख्या कीजिये :

(क) साहित्य संगीत कला विहीनः

साक्षात् पशुः पुच्छ विषाण हीनः।

तृणं न खादन्नपि जीवमान

स्तद्भागधेयं परमं पशूनाम्॥

(ख) येषां न विद्या न तपो न दानम्

ज्ञान न शीलं न गुणो न धर्मः।

ते मर्त्यलोके भुवि भार भूता

मनुष्य रूपेण मृगाश्चरन्ति॥

4. कर्तुरीप्सिततमं कर्म एवं अकथितं च सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिये।

5. कर्मवाच्य एवं भाववाच्य को उदाहरण सहित समझाइये।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न) 4×8=32

नोट :- खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. करण संज्ञा विधायक सूत्र को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिये।

2. तुल्यास्य प्रयत्नं सवर्णम् सूत्र की व्याख्या कीजिये।

3. संस्कृत व्याकरण में वर्णित लकारों के प्रकारों का उल्लेख कीजिये।

4. पद संज्ञा एवं संयोग संज्ञा विधायक सूत्रों का वर्णन कीजिये।

5. हितोपदेश के आधार पर मृग श्रृगाल की कथा का सारांश लिखिये।

6. निम्नलिखित गद्यांश की व्याख्या हिन्दी भाषा में कीजिये :

अथ तेन व्याधेन तण्डुलकणान्विकीर्य जालं विस्तीर्णम्। स च प्रच्छन्नो भूत्वा स्थितः। तस्मिन्नेव काले चित्रग्रीवनामा कपोतराजः सपरिवारो वियति विसर्पस्तांस्तण्डुलकणानवलोकयामास। ततः कपोतराजस्तण्डुलकणलुब्धान् कपोतान्प्रत्याह-कुतः अत्र निर्जने वने तण्डुलकणानां सम्भवः? तन्निरूप्यतां तावत् भद्रमिदं न पश्यामि।

7. नीतिकथाओं का क्या महत्व है ? इनका समाज के उत्थान में होने वाले योगदान का वर्णन कीजिये।

8. निम्नलिखित श्लोक की व्याख्या कीजिये :

स जातो येन जातेन याति वंशः समुन्नतिम्।

परिवर्तिनि संसारे मृतः को वा न जायते॥

****